

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

SWAMAAN

मैं सत्यता की शक्ति द्वारा
प्रकृति वा विश्व को
सतोप्रधान बनाने वाली
मास्टर विधि-विधाता हूँ



Brahma Kumaris



श्रेष्ठ प्रेरणा

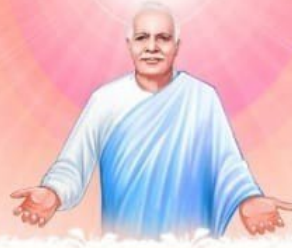


खुले हृदय से जीवन की हर
परिस्थिति में परमात्मा का
आह्वान करें... क्योंकि जब
परमात्मा आते हैं तो चमत्कार
होते हैं...।



Download App - Learn Rajyoga Meditation





सम्पूर्णता की ओर

सफलता प्राप्त करने का विशेष आधार है - हर सेकण्ड, हर श्वांस, हर खजाने को सफल करना। संकल्प, बोल, कर्म, संबंध-संपर्क जिसमें भी सफलता प्राप्त करना चाहते हो तो स्व के प्रति चाहे अन्य आत्माओं के प्रति सफल करते जाओ। व्यर्थ न जाने दो तो ऑटोमेटिकली सफलता के खुशी की अनुभूति करते रहेंगे क्योंकि सफल करना अर्थात् वर्तमान के लिये सफलता मूर्त बनना और भविष्य के लिए जमा करना।

Brahma Kumaris

● आज का सुगन्धित पुष्प ●

Fragrant Flower For Today

आप किसी भी बात में मूँझने के बजाए मौज का
अनुभव करते हो।

आप मस्त योगी हो। 😊

You experience pleasure instead of becoming
confused in any situation.

You are an intoxicated yogi! 😊

सेवा और स्व-उन्नति का बैलेन्स

बापदादा- 23.10.1999

सिर्फ एक बात याद रखना कि सेवा और स्व-उन्नति के बैलेन्स में अन्तर नहीं आवे। प्लैन प्रैक्टिकल करने के बाद यह नहीं कहना कि सर्विस में बिजी हो गये ना इसलिए स्व-उन्नति में अन्तर आ गया - यह नहीं कहना। दोनों का बैलेन्स सदा रखना। क्यों? दूसरों की सेवा करो और स्व की सेवा नहीं तो यह अच्छा नहीं। दोनों का बैलेन्स रखना ही





Vyarth Sankalpon Ka Paper



जैसे एक सेकेण्ड की बीती हुई बात बहुत स्पष्ट रूप से स्मृति में रहती है वैसे वह कल्प पहले की बीती हुई सीन ऐसे ही स्मृति में होगी जैसे कि एक सेकेण्ड पहले बीती हुई सीन स्मृति में रहती है। क्योंकि एक साक्षीपन, दूसरा त्रिकालदर्शी - यह दोनों स्टेज महारथियों की होने के कारण कल्प पहले की स्मृति बिल्कुल फ्रेश व ताज़ी रहेगी। इसलिये नथिंग-न्यू और दूसरा क्या होगा?

कोई भी कितनी भी विकराल रूप की परिस्थिति हो या बड़े रूप की समस्या हो लेकिन अपनी स्टेज ऊँची होने के कारण वह बिल्कुल छोटी लगेगी। बड़ी बात अनुभव नहीं होगी और न विकराल अनुभव होगी। जैसे ऊँची पहाड़ी पर खड़े होकर नीचे की कोई भी चीज़ को देखो तो बड़ी चीज़ भी छोटी नजर आती है ना। बड़े से बड़ा कारखाना भी एक मॉडल रूप-सा दिखाई पड़ता है। इसी रीति महारथी के महान् पुरुषार्थ के सामने उसे कोई भी बड़ी बात बड़ी अनुभव नहीं होगी। तो महावीर अर्थात् महारथी के महान् पुरुषार्थ की यह दो निशानियाँ हैं जिसको दूसरे शब्दों में कहा जाता - सुली काँटा अनुभव होगी। ऐसे महावीर के मुख से जो होने वाली रिजल्ट होगी अर्थात् जो होनी होगी, सदैव वही शब्द मुख से निकलेंगे जो भावी बनी हुई होगी। इसको ही 'सिद्धि-स्वरूप' कहा जाता है। जो बोल निकलेगा, जो कर्म होगा वह सिद्ध होने वाले होंगे, व्यर्थ नहीं होंगे। महारथी की निशानी है - विकर्मों का खाता तो समाप्त होता ही है लेकिन व्यर्थ का खाता भी समाप्त। मास्टर सर्वशक्तिवान् है ना। तो मास्टर सर्वशक्तिवान् की स्टेज का प्रैक्टिकल स्वरूप विकर्मों के खाते के साथ-साथ व्यर्थ का खाता भी समाप्त होगा। यह है महारथियों के पुरुषार्थ की निशानी।

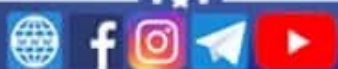
नज़र से निहाल करने की सर्विस शुरू की हैं? एक हैं महादानी, दूसरे हैं वरदानी और तीसरे हैं विश्व-कल्याणी। तो यह तीनों ही विशेषताएं एक ही में हैं या कोई विशेषता किसी में है और कोई किसी में? किसी का वरदानी रूप का पूजन है, किसी का विश्व-कल्याणी के रूप में पूजन है। पूजन में अथवा गायन में भी फर्क क्यों है? होंगे तीनों ही लेकिन परसेन्टेज में फर्क होगा।--07-02-1976

Achanak Aur Eveready

You are a wise soul who never
ignores the reality of who you
are just because others are not
like you.



BRAHMA KUMARIS
SpARC Wing





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org